आर्थिक स्थिति एक समीक्षा

01

आर्थिक स्थिति – एक समीक्षा

छत्तीसगढ़ शाब्दिक रूप से "छत्तीस किलों का गढ़" भारत के मध्य भाग में स्थित राज्य है। यह उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना एवं आंध्रप्रदेश से घिरा हुआ भू आवेष्ठित प्रदेश है। प्रशासनिक सुगमता के लिये राज्य के सम्पूर्ण भूभाग को 05 संभागों एवं 33 जिलो में विभाजित किया गया है। भगवान श्री राम का ननिहाल यह राज्य अपने वैभवपूर्ण अतीत, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जैव विविधता एवं मनोरम प्राकृतिक दर्शनीय स्थलों के लिये विश्व प्रसिद्ध है। राज्य की सुरम्य, वनप्रांतर नदी–घाटियों में लगभग सभी प्रकार के खनिज, जैव विविध वनस्पति एवं आयुर्वेद के लिए आवश्यक सभी जड़ी–बूटियां उपलब्ध हैं।

01 नवंबर 2000 को भारतीय संघ के 26 वें राज्य के रूप में गठित छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 24 वर्ष पूर्ण कर विकसित एवं आत्मनिर्भर राज्य बनने के पथ पर अग्रसर है। छत्तीसगढ़ राज्य का भौगोलिक क्षेत्रफल 1,35,191 वर्ग किलोमीटर है, जो कि देश के कुल 4.1 प्रतिशत क्षेत्रफल का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश का वन क्षेत्रफल लगभग 59.820.78 वर्ग किलोमीटर है, जो कि प्रदेश के कुल भू भाग का 44.25 प्रतिशत है। राज्य के वन आवरण की दृष्टि से छत्तीसगढ़ का देश में चौथा स्थान है। उल्लेखनीय है कि देश के लघुवनोपज संग्रहण में छत्तीसगढ़ की भागीदारी 70 प्रतिशत है। भौगोलिक विविधता संपन्न इस राज्य के उत्तरी एवं दक्षिणी हिस्से का कुछ भाग पर्वतीय एवं पाट क्षेत्र है। राज्य की भूमि 4 प्रमुख नदी प्रणालियों क्रमशः महानदी, गोदावरी, नर्मदा और गंगा से सिचिंत हैं। जनभागीदारी से जल संचय में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है।

01 मार्च 2025 की स्थिति में राज्य की कुल जनसंख्या अनुमानित 3 करोड़ 08 लाख 67 हजार लगभग हैं। जिसमें लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्य में संलग्न है। कृषि की दृष्टि से यह राज्य बेहद उपजाऊ है। राज्य की अधिकांश जनसंख्या लघु एवं सीमांत कृषकों की है। राज्य की मुख्य उपज धान है, जबकि उच्च भूमि इलाको मे मक्का एवं मोटे अनाज की खेती होती है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम है। क्षेत्र की महत्वपूर्ण नकदी फसलों में कपास, गन्ना एवं तिलहन है। छत्तीसगढ़ देश में "धान का कटोरा" कहलाता है।

राज्य में कृषि उत्पादों के साथ–साथ उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मिलेट उत्पादन में छत्तीसगढ़ राज्य भारत में अपनी अलग पहचान बना चुका है। मोटे अनाजों एवं लघु अनाजों की पैदावार बढ़ाने से किसानों की आय में वृद्धि हो रही है वही जन सामान्य का पूर्ण पोषण सुनिश्चित हो रहा है। मिलेट कैफे नवीन रोजगार के सृजन मे तथा पोषण को बढ़ावा देने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्राकृतिक रूप से छत्तीसगढ़ की धरती वन संपदा एवं खनिज भंडारण में बहुत संपन्न है । राज्य कोयला, लोहा, बॉक्साईट, चूना, कोरंडम, हीरा, स्वर्ण, टिन इत्यादि खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है। यह प्रदेश देश में टिन उत्पादन में प्रथम एवं कोयला तथा लौह अयस्क उत्पादन में द्वितीय स्थान रखता है। सुलभ श्रम शक्ति तथा किफायती विद्युत शक्ति की उपलब्धता के कारण कई बड़े एवं लघु उद्योगो का राज्य में विकास हुआ है।

''औद्योगिक विकास नीति 2024–30'' के माध्यम से प्रदेश की आंतरिक क्षमताओं एवं प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण सदुपयोग कर औद्योगिक दृष्टि से नवाचार तकनीकों को अपनाते हुए **अमृतकालः छत्तीसगढ़ विजन @ 2047**–की परिकल्पना को साकार करने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य में नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्ट–अप उद्यमों एवं नवाचार हेतु अधिकाधिक इन्क्यूबेशन केन्द्र स्थापित किये जा रहे है। राज्य में पर्यटन की असीम संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन उद्योग को इस नीति के तहत सम्मिलित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) द्वारा विश्व के 60 देशों से चयनित 20 ग्रामों में बस्तर जिले के ग्राम धूड़मारस का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में चयन किया गया है।

Ease of Doing Business (EoDB) के द्वारा औद्योगिक विकास हेतु सभी प्रकार के निवेश प्रोत्साहन एवं उद्योग स्थापना के लिए समस्त शासकीय विभागों की प्रक्रियाओं का सरलीकरण एवं संचार क्रांति के प्रयोग द्वारा राज्य का दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार मे उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु एवं समाज मे महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने हेतु संचालित महतारी वंदन योजना से समाज का एक बड़ा वर्ग लाभान्वित हुआ है तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है।

छत्तीसगढ़ राज्य सतत् विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी. इंडिया इंडेक्स) की प्राप्ति में दृढ़ संकल्प और सरलता का प्रेरक उदाहरण साबित हो रहा है। SDG जिला स्तरीय बेसलाइन एवं प्रगति रिपोर्ट के तृतीय संस्करण 2023 तक राज्य के कुल 27 जिले ''फ्रंट रनर'' एवं 6 जिले ''परफॉर्मर श्रेणी'' में है।

छत्तीसगढ़ का आर्थिक विकास (सकल राज्य घरेलू उत्पाद)–

किसी भी प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद उस प्रदेश की आर्थिक प्रगति को व्यक्त करता है। यह संकेतांक किसी निश्चित समय मे राज्य के आर्थिक प्रगति के विस्तार एवं दिशा को प्रदर्शित करता है। प्रति व्यक्ति किसी राज्य या भौगोलिक क्षेत्र में प्रति व्यक्ति अर्जित धन की मात्रा की माप है। किसी राज्य की प्रति व्यक्ति आय की गणना उस राज्य की राज्यीय आय को उसकी जनसंख्या से विभाजित

करके ज्ञात की जाती है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय स्थिर भाव एवं प्रचलित भाव पर प्रदर्शित है।

छत्तीसगढ़ में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की गतिविधियॉं प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है। राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में प्रचलित कीमतो पर वर्ष 2024–25 में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की भागीदारी 20.07 प्रतिशत अनुमानित है। इसी अवधि में उद्योग क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र की भागीदारी क्रमशः 43.48 एवं 36.45 प्रतिशत रहने की संभावना है। आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त जानकारी निम्नानुसार है–

छत्तीसगढ़ राज्य का उद्योग समूहवार सकल राज्य घरेलू उत्पाद (स्थिर मूल्य पर)

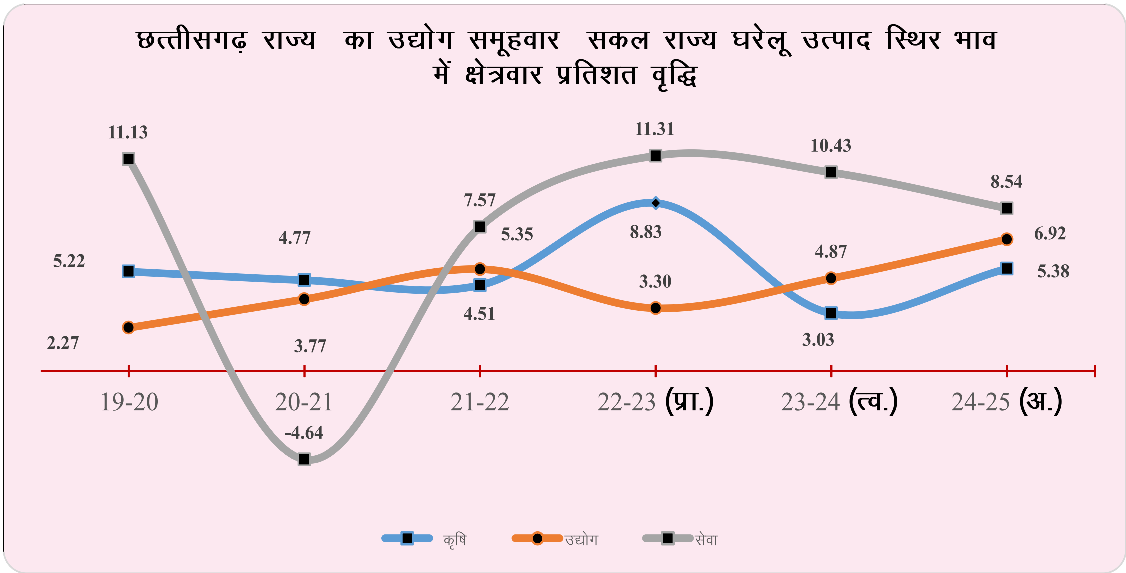

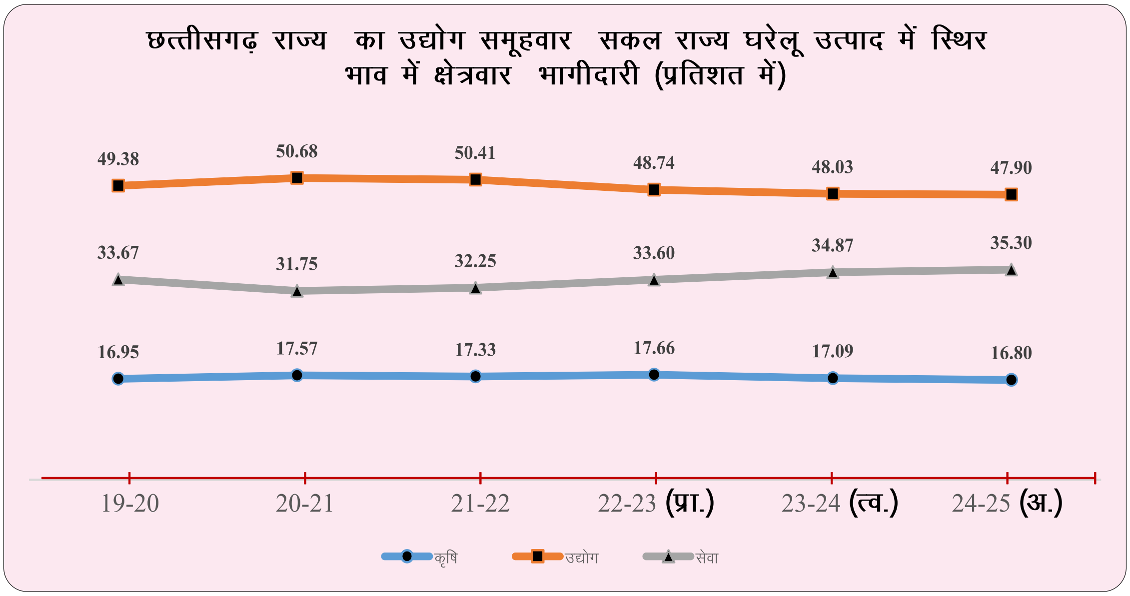

- **कृषिः**— इस क्षेत्र में वर्ष 2011—12 में जहाँ सकल राज्य घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 18.10 प्रतिशत थी, वहीं निरंतर किंतु धीमी गति से घटते हुए वर्ष 2024—25 में 16.80 प्रतिशत पर आ गई है। इस क्षेत्र में वर्ष 2019—20, 2020—21, 2021—22 2022—23, 2023—24 एवं 2024—25 में वृद्धि (स्थिर भाव पर) क्रमशः 5.22, 4.77, 4.51 8.83, 3.03 एवं 5.38 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2012—13 से 2024—25 तक औसत वृद्धि 5.39 प्रतिशत दर्ज की गई है।

- **उद्योगः**— इस क्षेत्र में खनन, विनिर्माण, विद्युत, जलापूर्ति एवं निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। वर्ष 2011—12 में जहाँ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में उद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी 47.27 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2024—25 में 47.90 प्रतिशत सम्भावित है। वर्ष 2019—20, 2020—21, 2021—22, 2022—23, 2023—24 एवं 2024—25 में उद्योग क्षेत्र में वृद्धि (स्थिर भाव पर) क्रमशः 2.27, 3.77, 5.35, 3.30, 4.87 एवं 6.92 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। वर्ष 2012—13 से 2024—25 तक औसत वृद्धि 5.97 प्रतिशत दर्ज की गई।

- **सेवा क्षेत्रः**— छत्तीसगढ़ में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सकल राज्य घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विगत वर्षों में निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र के अंतर्गत व्यापार, होटल एवं जलपान गृह, स्थावर संपदा एवं अन्य सेवाओं की सर्वाधिक भागीदारी है। वर्ष 2011—12 में जहाँ सकल राज्य घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 34.63 प्रतिशत थी, यह वर्ष 2024—25 में 35.30 होना अनुमानित है। वर्ष 2019—20, 2020—21, 2021—22, 2022—23, 2023—24 एवं 2024—25 में (स्थिर भाव) क्रमशः 11.13, —4.64, 7.57, 11.31, 10.43 तथा 8.54 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। वर्ष 2012—13 से 2024—25 तक औसत वृद्धि 6.00 प्रतिशत परिलक्षित हो रही है।

मूल्य एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली:—छत्तीसगढ़ का औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक नवम्बर 2024 में 195.1, 187.6 एवं 192.3 क्रमशः ग्रामीण, नगरीय एवं संयुक्त क्षेत्र के लिए है।वर्ष 2024—25 में धान (सामान्य) एवं धान (ग्रेड—ए) के समर्थन मूल्य क्रमशः 2,300 एवं 2,320 रू. प्रति क्विंटल भारत सरकार द्वारा घोषित किया गया। खरीफ वर्ष 2024—25 में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय हेतु 27.74 लाख किसानों के द्वारा पंजीयन कराया गया है।

लोक वित :— वित्तीय वर्ष 2024—25 में राजस्व प्राप्ति रू. 125900.00 करोड़ एवं राजस्व व्यय रू. 124840.01 करोड़ अनुमानित है। इस प्रकार राजस्व आधिक्य रू. 1059.99 करोड़ दर्शाता है।वित्तीय वर्ष 2024—25 में कुल राजस्व प्राप्तियों में पिछले वर्ष की तुलना में 13.07 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। गैर कर राजस्व में प्रमुख योगदान कर भिन्न राजस्व का है। वर्ष 2024—25 के कुल गैर कर राजस्व प्राप्तियों में इसका योगदान 58.07 प्रतिशत अनुमानित है।

राजस्व कर

- वर्ष 2023-24 में वैट (प्रान्तीय) कर संग्रहण से सितंबर 2023 तक 2,842.64 करोड़ रू प्राप्त हुआ, तथा 31 मार्च 2024 की स्थिति में 6,489.32 करोड़ रू. प्राप्त हुआ। वर्ष 2024–25 में माह सितंबर 2024 तक 2,979.36 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2023-24 में केन्द्रीय विक्रय कर संग्रहण से सितंबर 2023 तक 4.12 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा 31 मार्च 2024 की स्थिति में 24.16 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई। साथ ही वर्ष 2024–25 में माह सितंबर 2024 तक 12.85 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2023-24 में प्रवेश कर संग्रहण से सितंबर 2023 तक 6.63 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ है, तथा 31 मार्च 2024 की स्थिति में 73.27 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई है। साथ ही वर्ष 2024–25 में माह सितंबर 2024 तक 23.23 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2023-24 में स्थानीय कर संग्रहण से सितंबर 2023 तक 0.08 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ है, तथा 31 मार्च 2024 की स्थिति में 0.34 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई है। साथ ही वर्ष 2024–25 में माह सितंबर 2024 तक 0.06 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2023–24 में SGST संग्रहण से माह सितंबर 2023 तक 4,056.92 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा वर्ष 2023–24 माह 31 मार्च 2024 8,050.93 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, साथ ही वर्ष 2024–25 में माह सितंबर 2024 तक 4242.89 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2023–24 में IGST संग्रहण से माह सितंबर 2023 तक 2,318.02 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा वर्ष 2023–24 माह 31 मार्च 2024 5,720.81 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, साथ ही वर्ष 2024–25 में माह सितंबर 2024 तक 2947.87 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2023–24 में कुल कर संग्रहण से माह सितंबर 2023 तक 9,228.72 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा वर्ष 2023–24 माह 31 मार्च 2024 20,359.24 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, साथ ही वर्ष 2024–25 में माह सितंबर 2024 तक 10206.42 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

संस्थागत वित :– बैंकिग संपूर्ण लेन देन का अभिन्न अंग है। बैंकिग नेटवर्क वित्तीय प्रणाली एवं मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करती है। छत्तीसगढ़ राज्य की बैंकिंग गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हो रही है, राज्य में बैकों की संख्या मार्च 2024 में 47 शाखाओं की संख्या 3,412 एवं एटीएम की संख्या 3,607 है। जिनमें कुल जमा 2,82,949.54 करोड़ रूपये है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा प्रदेश में कार्यरत् कुल 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान उपार्जन किया जा रहा है। सभी धान उपार्जन केन्द्र कम्प्यूटराईज है।

कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र :–अर्थव्यवस्था के समग्र विकास के लिये कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र का विकास महत्वपूर्ण है। राज्य गठन के समय प्रदेश में निर्मित 03 वृहद, 29 मध्यम एवं 1945 लघु सिंचाई योजनाओं से कुल 13.28 लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता सृजित थी, जो वर्तमान में (मार्च 2024 तक) 21.76 लाख हेक्टेयर हो गई है। इस तरह राज्य निर्माण के पश्चात कुल 8.48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता की वृद्धि हुई। वर्तमान में प्रदेश की सिंचाई का प्रतिशत 39.27 हो गया है। राज्य में वर्तमान में 69 कृषि उपज मंडियाँ एवं 121 उप–मंडियाँ कार्यरत है। छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 2.032 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र उपलब्ध है जिसमें से1.976 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र मछली पालन अन्तर्गत विकसित किया जा चुका है जो कुल जलक्षेत्र का 97.24 प्रतिशत है।

वानिकी :– राज्य में आरक्षित वन 25,910.23 वर्ग कि.मी. (43.31 प्रतिशत), संरक्षित वन 24,036.10 वर्ग कि.मी. (40.18 प्रतिशत) व अवर्गीकृत वन 9,874.13 वर्ग कि.मी. (16.51 प्रतिशत) वन क्षेत्र है तथा कुल 59,820.78 वर्ग कि.मी. वनक्षेत्र है। वर्ष 2023–24 में 674.16 करोड़ रू. मूल्य के 12.94 लाख मानक बोरा तथा वर्ष 2024–25 में 1073.48 करोड़ रू. मूल्य के 15.56 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का उत्पादन हुआ है।

खनिज:– छत्तीसगढ़ की धरती औद्योगिक खनिजों से परिपूर्ण है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में देश के खनिज उत्पादन में छत्तीसगढ़ राज्य का हिस्सा क्रमशः कोयला उत्पादन में 20.73%, लौह अयस्क में 16.64%, चूनापत्थर में 10.94%, बॉक्साइट में 4.32%तथा टिन अयस्क में 100% रहा। वित्तीय वर्ष 2023–24 में मुख्य खनिज से 6756.97 करोड़ आय हुआ, जहाँ गौण खनिज इसी अवधि में 256.91 करोड़ आय हुआ है।

उद्योग :– देश के आर्थिक विकास में औद्योगीकरण का योगदान महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा नई औद्योगिक नीति 2024–30 के अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन/स्टार्टअप योजनाएं /अनुसूचित जनजाति, जाति वर्ग हेतु विशेष औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज लागू की गई हैं। राज्य में वर्ष 2023–24 में लगभग 20,100 करघों पर लगभग 60,300 बुनकर प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से

रोजगार में संलग्न हैं। छ0ग0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 9 उत्पादन केन्द्र कुंवरगढ़, सारागांव, मैनपुर, गरियाबंद, भगतदेवरी, तिफरा बिलासपुर, हरदी बाजार, देवरबीजा एवं डिमरापाल, संचालित हैं।

विद्युत एवं आधारभूत संरचना :– राज्य की स्वयं की विद्युत उत्पादन की कुल क्षमता राज्य गठन के समय (नवंबर 2000) में 1360 मेगावाट थी, जो (सितम्बर 2024 तक) 2978.70 मेगावाट हो गई है। इस प्रकार स्थापित क्षमता में 119% की अभिवृद्धि हुई है। वर्ष 2023–24 के अंत में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 63 लाख 85 हजार 3 सौ 62 है जो वर्ष 2022–23 की तुलना में 1.03 प्रतिशत अधिक है। कुल उपभोक्ताओं की संख्या में से वर्ष 2023–24 के अंत मे बीपीएल के 25.05 प्रतिशत, घरेलू के 54.80 प्रतिशत, गैर घरेलू के 6.92 प्रतिशत, औद्योगिक श्रेणी के 0.61 प्रतिशत एवं कृषि हितग्राही उपभोक्ताओं का 11.77 प्रतिशत है। माह 12/2023 की स्थिति में राष्ट्रीय राजमार्ग की लम्बाई 3,484 कि.मी. है।

ग्रामीण विकास एवं रोजगार :– छत्तीसगढ़ में त्रि–स्तरीय पंचायत राजव्यवस्था वर्ष 2000 में राज्य स्थापना के साथ लागू हुई। मनरेगा वर्ष 2023–24 में 24.77 लाख परिवारों को रोजगार, 1,276.63 लाख मानव दिवस सृजित जिसमें महिलाओं का प्रतिशत 54 है। वर्ष 2023–24 में 3,43,122 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार। वर्ष 2024–25 में सितम्बर तक 21.17 लाख परिवारों को रोजगार, 811.18 लाख मानव दिवस सृजित, महिलाओं का प्रतिशत 55.31 है। वर्ष 2024–25 में सितम्बर तक 58,699 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार।

नगरीय विकास:– ग्रामों से नगरों की ओर जनसंख्या का आना अर्थव्यस्था में विकास की कुंजी तथा शहरों की संख्या में वृद्धि सम्पन्नता को बढ़ाती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, आवास, यातायात, दूरसंचार इसके मूल तत्व हैं। वर्ष 1951 में जहॉं शहरीकरण 4.88 प्रतिशत (3.64 लाख) था, यह वर्ष 2011 में बढ़कर 23.24 प्रतिशत (59.37 लाख) हो गया है। वर्श 2023 में सार्वजनिक परिवहन के ढांचे को दुरुस्त करने के लिए पीएम ई. बस सेवा योजना प्रारंभ की गई है। योजना के तहत रायपुर, दुर्ग–भिलाई ,बिलासपुर कोरबा को ई बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

शिक्षा :– वर्ष 2023–24 में सरस्वती सायकल योजना के तहत् 1,64,700 छात्राओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य। वर्ष 2023–24 में निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का प्रदाय अतंर्गत 53,72,806 छात्र–छात्राएं लाभान्वित। सत्र 2024–25 से 07 राजकीय विश्वविद्यालय, 17 निजी विश्वविद्यालय, 335 शासकीय महाविद्यालय एवं 321 अशासकीय महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में सफल रूप से लागू किये गये हैं। 2024–25 शासकीय महाविद्यालय में कुल 2,95,743 विद्यार्थी प्रवेशित है।

स्वास्थ्य :–SRS बुलेटीन (वर्ष 1997–2003) अनुसार प्रदेश का मातृ–मृत्यु अनुपात 365 प्रति लाख जीवित जन्म पर था, जो अब वर्तमान में SRS बुलेटीन (वर्ष 2018–2020) अनुसार 137 प्रति लाख जीवित जन्म है। राज्य में घटते बाल लिंगानुपात तथा बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच बढ़ाने के लिए ''नोनी सुरक्षा योजना'' शीर्षक से योजना दिनांक 01.04.2014 से लागू की गई है। प्रदेश में वर्तमान में 30 सितम्बर 2024 की स्थिति में कुल 52220 आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित हैं।

सामाजिक सेवाएं :–सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनांतर्गत वर्ष 2023–24 में 4,43,435 हितग्राही लाभान्वित। इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय निःशक्तजन पेंशन योजनांतर्गत वर्ष 2023–24 में 33,750 हितग्राही लाभान्वित। सिविल सेवा प्रोत्साहन योजनांतर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियो को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के प्रारंभिक परीक्षा मे सफल होने पर मुख्य परीक्षा तैयारी हेतु राशि रू. 1.00 लाख प्रदान जाती है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) को जशपुर जिले में लागू किया गया है।

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) छत्तीसगढ़ – SDG इंडिया इंडेक्स 4.0 सूचकांक का नवीनतम संस्करण है जिसे 2024 में लॉन्च किया गया है। जिसमें 113 संकेतकों का उपयोग किया गया है और यह 16 लक्ष्यों में से 70 को टारगेट्स को कवर करता है। छत्तीसगढ़ – एसआईएफ में 17 सतत विकास लक्ष्य में 16 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी लक्ष्य–14 को छोड़कर) के प्रगति को मापने के लिए कुल 275 संकेतक शामिल हैं। छत्तीसगढ़ – डीआईएफ में 15 एसडीजी लक्ष्य (एसडीजी लक्ष्य 14 और एसडीजी लक्ष्य 17 को छोड़कर) के लिए कुल 82 संकेतक शामिल हैं। एसडीजी जिला स्तरीय बेसलाइन एवं प्रगति रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ 2023 तक कुल 27 जिले 'फ्रंट रनर' (65–69) श्रेणी में है; शेष छः जिले जशपुर, कोण्डागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, बलरामपुर और बीजापुर 'परफॉर्मर' (50–64) श्रेणी में हैं, कोई भी जिला आंकाक्षी (0–49) श्रेणी में नही है।